ईएसजी फंड

प्रलिम्सि के लयि:

ईएसजी फंड, कॉर्पोरेट सामाजकि उत्तरदायत्वि।

मेन्स के लयि:

भारत में ईएसजी फंड की वृद्धि, इसका महत्त्व और इससे जुड़ी चतिाएँ।

चर्चा में क्यों?

ईएसजी (पर्यावरण, सामाजकि और शासन) फंड की संपत्ति का आकार पछिले कुछ वर्षों में लगभग पाँच गुना बढ़कर 12,300 करोड़ रुपए हो गया है।

- एशयिा में वशिेष रूप से भारत में ईएसजी फंडों की मांग और वृद्धि ज़बर्दस्त (लगभग 32%) रही है।

प्रमुख बदिु

ईएसजी फंड (ESG Funds):

- ईएसजी (ESG) तीन शब्दों अर्थात् पर्यावरण (Environment), सामाजकि (Social) और शासन (Governance) का संयोजन है।
- यह एक तरह का म्यूचुअल फंड है। इसमें नविश स्थायी रूप से सतत् नविश (Sustainable Investing) या सामाजकि रूप से उत्तरदायी नविश (Socially Responsible Investing) के साथ कयिा जाता है।
- आमतौर पर म्युचुअल फंड कसिी कंपनी के अच्छे स्टॉक को दर्शाता है जसिमें आय, प्रबंधन गुणवत्ता, नकदी प्रवाह, व्यवसाय संचालन, प्रतस्पिर्द्धा आदि की क्षमता होती है।
- हालाँकि नविश के लयि एक स्टॉक का चयन करते समय सबसे पहले '**ESG फंड शॉर्टलस्टि कंपनयिों**' के पर्यावरण, सामाजकि ज़म्मिेदारी एवं कॉर्पोरेट प्रशासन पर उच्च स्कोर को देखा जाता है, इसके बाद वत्तिीय कारकों पर गौर कयिा जाता है।
  - इसलयि '**ईएसजी फंड**' एवं अन्य फंडों के बीच महत्त्वपूर्ण अंतर '**नविशक के वविक**' पर आधारति होता है अर्थात् ईएसजी फंड पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं, नैतकि व्यापार प्रथाओं एवं एक कर्मचारी-अनुकूल रकिॉर्ड वाली कंपनयिों पर केंद्रति होता है।
- इस फंड को भारतीय प्रतभिूति एवं वनिमिय बोर्ड (सेबी) द्वारा वनियिमति कयिा जाता है।

लोकप्रयिता का कारण:

- आधुनकि नविशक पारंपरकि दृष्टकिोणों का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं और पारंपरकि नविश से पृथ्वी पर पड़ने वाले प्रभावों का भी मूल्यांकन कर रहे हैं। इस प्रकार नविशकों ने अपनी नविश प्रथाओं में ईएसजी कारकों को शामलि करना शुरू कर दयिा है।
- '**यूनाइटेड नेशंस प्रसिपिल फॉर रस्पिॉन्सबिल इन्वेस्टमेंट**' (United Nations Principles for Responsible Investment- UN-PRI) नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन नविश नर्णिय लेने में पर्यावरणीय, सामाजकि एवं कॉर्पोरेट प्रशासन कारकों के समावेश को बढ़ावा देने के लयि कार्य करता है।

प्रभाव:

- जैसे-जैसे भारत में '**ईएसजी फंड्स**' को गति मलिेगी कंपनयिों को बेहतर प्रशासन, नैतकि प्रथाओं, पर्यावरण के अनुकूल उपायों एवं सामाजकि ज़म्मिेदारी का पालन करने के लयि भी मजबूर होना पड़ेगा।
- जो कंपनयिाँ 'सतत् व्यवसाय मॉडल' का पालन नहीं करती हैं उन्हें इक्वटिी एवं ऋण दोनों जुटाने में मुश्कलि होगी।
- वैश्वकि स्तर पर पेंशन फंड, सॉवरेन वेल्थ फंड आदि में नविश करने वाले नविशक उन कंपनयिों में नविश नहीं करते हैं जन्हिें प्रदूषणकारी के रूप में देखा जाता है और जो सामाजकि ज़म्मिेदारी का पालन नहीं करती हैं जैसे- तंबाकू कंपनयिाँ।

- वैश्विक तंबाकू उद्योग को प्रतिवर्ष 35 बिलियन अमेरिकी डॉलर का लाभ होता है। हालाँकि तंबाकू की वजह से प्रतिवर्ष लगभग 6 मिलियन लोगों की मृत्यु हो जाती है। अतः निवेशक ऐसी वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील हो रहे हैं।

चिंताएँ:

- जलवायु जोखिम, उत्सर्जन, आपूर्ति शृंखला, श्रम अधिकार, भ्रष्टाचार आदि जैसे मुद्दों पर अधिक ध्यान देने के साथ-साथ कुछ और चिंताएँ भी संज्ञान में आई हैं।
- वैश्विक संस्थागत निवेशकों के बीच **ग्रीनवॉशिंग** शीर्ष चिंताओं में से एक है।
- ग्रीनवॉशिंग को उपभोक्ताओं को यह विश्वास दिलाने के लिये एक निराधार दावा माना जाता है कि कंपनी के उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल हैं।
- निवेश विशेषज्ञों ने फंड मैनेजरों की प्रवृत्ति की ओर भी इशारा किया है कि वे कुछ शेयरों और कंपनियों को एक स्थिति में अधिक महत्त्व देते हैं जहाँ अधिकांश बड़ी निवेश-अनुकूल कंपनियाँ ईएसजी निवेश के लिये उपयोग किये जाने वाले गुणात्मक और मात्रात्मक मानकों से कम हो जाती हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/esg-funds-1